



संस्कार सृजन

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841



सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

हिन्दी पाक्षिक

वर्ष: 02

अंक: 18

पृष्ठ: 4

जयपुर, शुक्रवार 22 दिसम्बर, 2023

मूल्य: 05 ₹.

वार्षिक मूल्य: 150 ₹.

विकसित भारत संकल्प यात्रा- मौके पर ही मिल रहा योजनाओं का लाभ

जयपुर (संस्कार सृजन)। भारत सरकार की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने, योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने एवं योजनाओं के निर्धारित लक्ष्य प्राप्तिके लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा जारी है।

गुरुवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा का जयपुर ग्रामीण जिले की 9 विधानसभा क्षेत्र में 9 पंचायत समितियों की 17 ग्राम पंचायतों में आयोजन किया गया। शिविरों में 21 हजार से अधिक लोगों ने भाग लेकर सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शिल्पा सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत खण्डेल एवं काजीपुरा पंचायत समिति सांभर, ग्राम पंचायत मुहाना व कपूरवाला पंचायत समिति सांगर, ग्राम पंचायत बरखेड़ा एवं निमोडिया पंचायत समिति चाकसू, ग्राम पंचायत टोडी एवं सुराना पंचायत समिति शाहपुरा, ग्राम



पंचायत उगावास एवं पाटन पंचायत समिति तुंगा, ग्राम पंचायत रामपुरा डबड़ी एवं भड्डों की गली में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत शिविर का आयोजन किया गया।

डॉ. शिल्पा सिंह ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में यात्रा आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अन्त्योदय योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री उज्वला योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमंत्री पोषण योजना, हर घर जल- जल जीवन मिशन, स्वामित्व योजना, जन-धन योजना, जीवन ज्योति योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन स्कीम, पीएम प्रणाम, नौनो फर्टिलाइजर्स सरीखी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का लक्ष्य पूरा कर रही है।

शिल्पग्राम उत्सव 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का सुंदर उदाहरण - राज्यपाल, राज्यपाल ने दीप प्रज्वलन कर व नगाड़ा बजाकर उत्सव का किया उद्घाटन

उदयपुर (संस्कार सृजन)। शिल्पग्राम कलाओं का आंगन है। यहां देशभर से आए कलाकारों का सुंदर समन्वय है। यह भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता का श्रेष्ठ उदाहरण है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने उदयपुर में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के दस दिवसीय शिल्पग्राम उत्सव के उद्घाटन अवसर पर अपने संबोधन में यह विचार व्यक्त किए। मिश्र, महापौर जी एस टांक और केंद्र निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर और नगाड़ा बजाकर परंपरागत रूप से उत्सव का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि शिल्पग्राम में जाति, वर्ग, क्षेत्र, भाषा आदि की भिन्नता का भेद पूरी तरह मिट जाता है और एक भारत विकसित भारत का संदेश देता है। यहां प्राचीन लोक कलाओं और संस्कृति को संजोने का सराहनीय कार्य हो रहा है। संस्कृति जीवन जीने का ढंग है। लोक संस्कृति के आलोक में परंपरा के संरक्षण में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के शिल्पग्राम उत्सव का महत्वपूर्ण योगदान है। मेरा आग्रह है कि केंद्र का मूल सौंदर्य बनाए रखें ताकि लोक



संस्कृति संरक्षित रहे। इससे पूर्व शिल्पग्राम पहुंचने पर केंद्र निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने राज्यपाल का स्वागत किया। महापौर जी एस टांक, जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल और एसपी भुवन भूषण इस अवसर पर

मौजूद रहे। उद्घाटन पश्चात लोक नृत्य, लोक गीत और अन्य कार्यक्रमों का अतिथियों ने लुफ्त उठाया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने यहां सजे बाजार का अवलोकन किया और म्यूल आर्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।



मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट

जयपुर (संस्कार सृजन)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस शिष्टाचार भेंट में उनके साथ राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा भी साथ रहे। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की प्रधानमंत्री से मुलाकात उनके संसद भवन स्थित कार्यालय में हुई। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री को गुलदस्ते भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों को अपनी शुभकामनाएं दी।

WELCOME

HAPPY NEW YEAR

2024

आप सभी देशवासियों को

नव वर्ष

की हार्दिक शुभकामनाएं

राम गोपाल सैनी



हरिओम महाराज ने लिया अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष महाधिवेशन में भाग

उज्जैन (संस्कार सृजन)। जयपुर निवासी हरिओम महाराज ने उज्जैन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष महाधिवेशन में भाग लिया। यह महाधिवेशन विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, महाराजा विक्रममदियल शोधपीठ, आचार्य वराह मिहिर न्यास डोंगला प्रकल्प और पूर्णश्री फाउंडेशन

उज्जैन के सहयोग से आयोजित किया गया। इस दौरान पंचांग एवं फलित ज्योतिष की विविध विधाओं पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष को लेकर महाधिवेशन का आयोजन हुआ। जिसमें देश के बड़े-बड़े विद्वानों ने शिरकत की। इस अवसर पर हरिओम महाराज को विक्रम विश्वविद्यालय

उज्जैन के कुल सचिव डॉक्टर प्रज्वल खरे, महाराजा विक्रममदियल शोधपीठ उज्जैन के निदेशक श्री राम तिवारी, महापौर मुकेश टटवाल और मुख्यमंत्री मोहन यादव की बहन सभापति कलावती यादव ने सहभागिता प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

संपादकीय

असम में क्या बंट जाएगा
मुस्लिम वोट बैंक

असम में इन दिनों एक दिलचस्प बहस चल रही है, देशी मुसलमान और कथित विदेशी मुसलमान को लेकर। राज्य सरकार ने भारतीय मूल के असमिया मुसलमानों के पांच समुदायों- गोरिया, मोरिया, देसी, सैयद और जुलाहा को खिलोजिया (असम के भूमि पुत्र) का दर्जा दिया है। असम सरकार के इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति में जैसे भूचाल आ गया है। अल्पसंख्यकों की राजनीति करने वाले नेताओं में इस फैसले से बेचैनी है। माना जा रहा है कि मुसलमानों हेमंत बिस्वा सरमा की इस पहल से मुस्लिम वोट बैंक विभाजित हो गया है। असम में, बांग्लादेशी मूल के मुसलमानों की तुलना में भारतीय मूल के असमिया मुसलमान खुद को श्रेष्ठ मानते हैं। वे नहीं चाहते कि उनकी पहचान बांग्लादेश मूल के मुसलमानों के साथ की जाए। इसलिए असम में बसे असमिया मुसलमानों के बीच सरकार के इस फैसले से खुशी की लहर है। सरकार का कहना है कि असमिया मुसलमानों को विशेष मान्यता दी गई है, क्योंकि वे उस समाज के अंग हैं। मुसलमान होने से उनकी भाषा, संस्कृति और रहन-सहन में विशेष अंतर नहीं है।

यह समझना जरूरी है कि असम में दो तरह के मुसलमान हैं। एक को स्थानीय मुसलमान कहा जाता है और दूसरे को स्थानीय बोली में मियां मुसलमान कहते हैं। स्थानीय मुसलमान पूरी तरह असमिया संस्कृति में रहे-बसे हैं। उनकी भाषा भी असमिया है। उनका रहन-सहन और वेशभूषा स्थानीय समाज की तरह है। इनमें कुछ लोग मुगल शासन काल में देश के विभिन्न हिस्से से यहां आए थे। मुगल सेना की पराजय के बाद यहीं रह गए। आहोम शासकों ने इन्हें ऊपरी असम में बसा दिया। स्थानीय मुसलमानों में ही कुछ लोग कोच राजवंशी समुदाय के हैं, जो इस्लाम धर्म के प्रभाव में आकर मुसलमान हो गए। इसी समुदाय के धार्मिक नेता अजान फकीर ने असम में धार्मिक गीत परंपरा-जिकिर और जारी की रचना की, जिसे स्थानीय परंपरागत वाद्ययंत्रों के साथ गाया जाता है।

मियां मुसलमान मूल रूप से बांग्ला बोलते हैं और आजादी के पहले या बाद में बांग्लादेश से आकर असम में बसे हैं। वे लुगी और टोपी पहनते हैं। उनमें ज्यादातर मजदूरी और खेती करते हैं। वे शैक्षणिक रूप से भी पिछड़े हैं। ये लोग पहले निचले असम में वास करते थे, लेकिन अब धीरे-धीरे नागांव, मोरगांव और दरंग जिलों में फैल चुके हैं। असमिया मुसलमानों के अधिकांश बच्चे असमिया माध्यम के सरकारी या निजी स्कूलों में पढ़ते हैं। वे बीहू भी पूरे उत्साह से मनाते हैं। आम असमियों की तरह कपड़े पहनते और घर के अंदर भी असमिया बोलते हैं। सुस्पष्ट विरोधी आंदोलन से असमिया मुसलमान खुद को असहज महसूस करते रहे हैं। अल्पसंख्यक विरोधी अभियान का खामियाजा उन्हें भी भुगताना पड़ना रहा है। इसलिए वे मियां मुसलमान से खुद को अलग रखना चाहते हैं। असमिया मुस्लिम अपनी भाषाई, जातीय और धार्मिक पहचान के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इन्हें थालुवा मुसलमान या खिलोजिया मुसलमान के नाम से भी जाना जाता है। ये असमिया पहचान और राष्ट्रियता के साथ एकीकृत हैं।

इन कारणों से कीटो
डाइट भी नहीं कर पा रही
आपका वजन कम

कई बार आप वजन कम करने के लिए बहुत चीजें करते हैं लेकिन उसके बाद भी आपको अपना वजन कम होते हुए नहीं दिखता है इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। क्या आप भी कीटो डाइट पर हैं लेकिन आपको उसके कोई परिणाम देखने को नहीं मिल रहे हैं। ऐसा कई कारणों से हो सकता है। कुछ लोग वजन कम करने के लिए जिम जाते हैं लेकिन वजन कम नहीं होता है क्योंकि वो अपने डाइट पर कंट्रोल नहीं रखते हैं। ऐसी ही कुछ गलतियां आप कीटो के दौरान भी कर सकते हैं जिससे आपको उसका परिणाम नहीं मिलते हैं। जो लोग कीटो डाइट पर होते हैं वे लोग अपने आहार में कार्बोहाइड्रेट को कम करते हैं, प्रोटीन का सेवन मध्यम करते हैं और अपने आहार में वसा को बढ़ते हैं। यह आपके शरीर को कार्बोहाइड्रेट के बजाय कीटोन्स को एनर्जी के रूप में उपयोग करने के लिए मजबूत करता है। कई लोग कीटो डाइट करने के बाद अच्छा महसूस करते हैं, उनका वजन कम हो जाता है। और बेहतर मानसिक स्वास्थ्य होता है, ऊर्जा का स्तर भी बेहतर होता है। लेकिन कई लोगों के साथ उल्टा होता है उनका वजन कम होना बंद हो जाता है, उनकी ऊर्जा का स्तर गिर जाता है। ऐसा कई कारणों से हो सकता है।

अमूल्य ज्ञान
का बोध

* सोलह संस्कार

1. गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6. निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णविधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

* अष्ट सिद्धि

1. अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लधिमा . 5. प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

* नव निधियां

1. पंच निधि 2. महापंच निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6. मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

* 27 नक्षत्र

1. आश्विन, 2. भरणी, 3. कृत्तिका, 4. रोहिणी, 5. मृगशिरा, 6. आर्द्रा 7. पुनर्वसु, 8. पुष्य, 9. आश्लेषा, 10. मघा, 11. पूर्वा फाल्गुनी, 12. उत्तरा फाल्गुनी, 13. हस्त, 14. चित्रा, 15. स्वाति, 16. विशाखा, 17. अनुराधा, 18. ज्येष्ठा, 19. मूल, 20. पूर्वाभाद्र, 21. उत्तराभाद्र, 22. श्रवण, 23. धनिष्ठा, 24. शतभिषा, 25. पूर्वा भाद्रपद, 26. उत्तरा भाद्रपद और 27. रेवती

* 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12. मीन

* नवग्रह

1. सूर्य 2. चंद्र 3. मंगल 4. बुध 5. बृहस्पति 6. शुक्र 7. शनि 8. राहु 9. केतु

* चार वेद

1. ऋग्वेद 2. यजुर्वेद 3. सामवेद 4. अथर्ववेद

* सप्त ऋषि

1. विश्वामित्र 2. विश्वामित्र 3. कण्व 4. भारद्वाज 5. अत्रि 6. वामदेव 7. शौनक

* 18 पुराण

1. ऋग्वेद पुराण 2. पंच पुराण 3. विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण) 5. भागवत पुराण 6. नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8. अग्नि पुराण 9. भविष्य पुराण 10. ब्रह्मवैवर्त पुराण 11. लिंग पुराण 12. वाराह पुराण 13. स्कन्द पुराण 14. वामन पुराण 15. कूर्म पुराण 16. मत्स्य पुराण 17. गरुड पुराण 18. ब्रह्माण्ड पुराण

* सोलह श्रृंगार

1. बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. सान

(गजल) न कर

वक्त-ए-नादान मुझे हूबहू न कर
फिर से मुझे आईने के रूबरू न कर

किस्सा है पुराना के अनजान था खुद से
मुझसे आँखें मिलवा के मुझे फिर शुरू न कर

कहना ही है तो कह ले अच्छा - बुरा मुझे
मेरी बात छेड़कर किसी से गुफ्तगू न कर

खोना ही चाहता था मुझे तू तो हर्फं में
मिल ही गया तो खामखा मेरी जुस्तजू न कर

मैं तुझे ये यकीं करूँ इतना नादान भी नहीं
मुझसे अपनेपन की अभी आरजू न कर

नापाक जान कर के मुझे छू लिया है तू
अब जाने भी दे यार फिर झूठा वजू न कर



सिद्धार्थ गोरखपुरी

बाज़ार में मिलने वाले सैंडविच स्प्रेड बढ़ा सकते हैं
शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल

सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं बाजार में मिलने वाले आर्टिफिशियल फ्लेवर और प्रिजर्वेटिव वाले सैंडविच स्प्रेड। आजकल बाजार में तरह-तरह के सैंडविच स्प्रेड उपलब्ध हैं। हम सभी इन्हें बड़े चाव से अपने ब्रेकफास्ट में सैंडविच पर स्प्रेड करके खाते हैं, वहीं बच्चों को भी इसे सर्व करते हैं। हमें यह टेस्टी के साथ समय की बचत करने वाले लगते हैं। पर आप शायद नहीं जानते कि समय की बचत और स्वाद की यह खुराक आपको सेहत के लिए धीमा जहर साबित हो सकती है। एक आहार विशेषज्ञ बता रही हैं बाजार में मिलने वाले रेडीमेड सैंडविच स्प्रेड के स्वास्थ्य जोखिम और इनकी जगह कुछ होममेड हेल्दी ऑप्शन। न्यूट्रिशनिस्ट और हेल्थ टोटल की फाउंडर नेहा रंगलानी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बाजार में मिलने वाले सैंडविच स्प्रेड से परहेज रखने की सलाह दी है। साथ ही वे इनकी जगह

होममेड सैंडविच स्प्रेड को डाइट में शामिल करने का सुझाव दे रही हैं।

पहले जानें बाजार में मिलने वाले रेडीमेड सैंडविच स्प्रेड के स्वास्थ्य जोखिम-नेहा रंगलानी के अनुसार ट्रेडिंग सैंडविच स्प्रेड आपको सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकते हैं। सैंडविच स्प्रेड को बनाने में कई ऐसे इंग्रीडिएंट और कुकिंग प्रक्रिया का इस्तेमाल किया जाता है, जो इसे बेहद हानिकारक बना देते हैं।

मार्केट में मिलने वाले सैंडविच स्प्रेड में अधिक मात्रा में नमक, ट्रांस फैट और हिडन शुगर मौजूद होते हैं, जो हम सभी की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। इतना ही नहीं सैंडविच स्प्रेड को प्रिजर्व करने के लिए कई केमिकल युक्त प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो सामान्य तौर पर सेहत के लिए उचित नहीं होते। वहीं इनमें स्वाद जोड़ने के लिए

आर्टिफिशियल और एडेड फ्लेवर्स का भी इस्तेमाल किया जाता है। जिसकी वजह से भी इनका सेवन सेहत को फायदे प्रदान करने की जगह नुकसान पहुंचा सकता है। होममेड सैंडविच स्प्रेड तैयार करने के लिए आपको चाहिए हंग कर्ड/ग्रीक योगर्ट, एवोकाडो, हनी, गाजर, स्प्रिंग अनियन, ग्रीन बींस, शिमलामिर्च

इस तरह तैयार करें होममेड सैंडविच स्प्रेड-सबसे पहले हंग कर्ड को एक बाउल में निकाल लें।

अब इसमें मैस किया हुआ एवोकाडो और शहद मिलाएं। फिर गाजर, स्प्रिंग अनियन, ग्रीन बींस और शिमला मिर्च को बिल्कुल बारीक काट लें। अब सभी सब्जियों को हंग कर्ड और एवोकाडो के मिश्रण में डालें और मिला लें। आपको सैंडविच स्प्रेड बनकर तैयार है, इसे अपनी सैंडविच पर लगाकर सुबह ब्रेकफास्ट में इसे एंजाय कर सकती हैं।



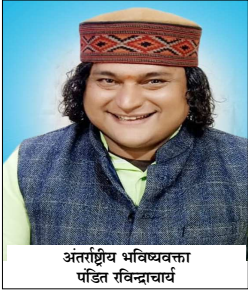




★ संस्कार सृजन संस्था, चौक, जयपुर
★ संस्कार सृजन, पाक्षिक समाचार पत्र
★ हमारा वतन, साप्ताहिक समाचार पत्र
News Paper, News Channel, News Portal
संपादक - राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258, 7014468512

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिकल



अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवाक्ता पंडित रविन्द्राचार्य

मेघ राशि - आपकी प्रोफेशनल लाइफ बढ़िया रहेगी। बड़ी चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। लव लाइफ में आ रही छोटी-छोटी दिक्कों को सुलझाने का प्रयास करें। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। सिंगल लोगों की किसी खास से मुलाकात हो सकती है, जिससे आपको प्यार का एहसास हो सकता है। आपको करियर में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने अवसर प्राप्त होगा। आर्थिक फैसले लेते समय खुद पर भरोसा।

वृषभ राशि - यदि आप रिलेशनशिप में हैं तो यह साथी संग रिश्ते में जुड़ाव लाने और चीजों को सीधे करने का समय है। आपकी मेहनत और लगन की उच्चाधिकारियों द्वारा सराहना मिलेगी। अपने खर्चों पर नजर रखें और जल्दबाजी में धन खर्च से बचें। आपका स्वास्थ्य

ठीक रहेगा।
मिथुन राशि - आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में कुछ रोमांचक विकास की उम्मीद कर सकते हैं। वित्तीय मामले अच्छे दिख रहे हैं, इसलिए निवेश करने या आय के नए स्रोत तलाशने का यह बेहतरीन समय है। अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें और धैर्य रखें और पुरस्कार आपके पास आएंगे।

कर्क राशि - सिंगल जातकों को नए अवसरों के लिए खुला रहना चाहिए। अगर आप किसी रिश्ते में हैं, तो बातचीत महत्वपूर्ण है, इसलिए अपने पार्टनर के साथ अपने गहरे विचारों और भावनाओं को शेयर करने के लिए समय निकालें। विनम्र रहना सुनिश्चित करें और अपने सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखें, क्योंकि लंबे समय में वे आपकी सफलता के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

सिंह राशि - पदोन्नति या रोमांचक नई नौकरी की संभावना मिल सकती है। सोच-समझकर निवेश करें और आपको लंबे समय में महत्वपूर्ण रिटर्न देखने को मिलेगा। खुद की देखभाल के लिए कुछ समय निकालना सुनिश्चित करें। आराम करें और तरताजा हो जाएं, क्योंकि

जीवन के सभी पहलुओं में आपकी सफलता के लिए आपकी शारीरिक और मानसिक भलाई आवश्यक है।

कन्या राशि - लव लाइफ मौज-मस्ती से भरपूर है। चुनौतियों के बावजूद आप कार्यस्थल पर दूसरों पर भारी पड़ेंगे। समझदारी से निवेश करने के लिए आपसे पास धन होगा। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। नया घर खरीदने या मौजूदा घर का नवीनीकरण करने की स्थिति में होंगे।

तुला राशि - रिश्ते में धैर्य रखें और हमेशा एक अच्छे श्रोता बनें। सर्राइज देने से रिश्ते में सुधार लाने में मदद मिलेगी। पेशेवर दबाव को कुशलतापूर्वक संभालें। कोई सहकर्म या सीनियर सहकर्म आपके विरुद्ध षडयंत्र रचेगा। हालांकि आप समर्पण और ईमानदारी से इस मुद्दे पर काबू पा सकते हैं। अगर आप क्रिएटिव फील्ड में हैं तो आपको आलोचना का सामना करना पड़ सकता है। पैसों के मामले में आप अच्छे हैं। आप शेयर मार्केट में बड़ी रकम निवेश कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि - प्रेम जीवन बहुत बढ़िया रहेगा। आपकी प्रोफेशनल लाइफ

व्यस्त और अस्त-व्यस्त रहेगी। धन और स्वास्थ्य संबंधी छोटी-मोटी परेशानियां भी रहेंगी। अच्छा प्रदर्शन करने के लिए हमेशा लीक से हटकर सोचना महत्वपूर्ण है। सहकर्मियों के साथ झगड़ हो सकती है लेकिन उन्हें नियंत्रण से बाहर न जाने देना जरूरी है। आपको आर्थिक परेशानियां रहेंगी और खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है।

धनु राशि - रिश्ते में ईमानदारी बरतें, इससे सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। लव लाइफ में कुछ छोटी-मोटी नोकझोंक रहेगी लेकिन वे जल्द ही सुलझ जाएंगी। बड़े वित्तीय निर्णय न लें और व्यापारियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने व्यवसाय का विस्तार न करें और न ही बड़े निर्णय लें। सौभाग्य से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर राशि - जीवन में नई चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए यह उत्तम समय है। किसी नए प्रोजेक्ट की शुरुआत करना हो या जीवन में कुछ नया काम शुरू करना चाहते हैं तो यह आपके लिए सबसे अच्छा समय है। धन के मामले में आप सौभाग्यशाली हैं। बिजनेसमैन व्यापार में बढ़ोत्तरी के लिए नए प्रमोटर्स से मिल सकते हैं। नई प्रॉपर्टी



या नई गाड़ी खरीदने का यह अच्छा है।
कुंभ राशि - प्रेम जीवन में चल आ रहे मतभेद दूर करें। जीवनसाथी के साथ अधिक से अधिक समय व्यतीत करने का प्रयास करें। कार्यस्थल पर बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए अधिक मेहनत करने की आवश्यकता होगी। आर्थिक रूप से समय अच्छा है। पैसों से जुड़े मामलों पर मार्गदर्शन के लिए किसी वित्तीय विशेषज्ञ की मदद लें।

मीन राशि - प्यार के मामले में आप दिन को खास बना सकते हैं। लव लाइफ में कमिटेमेंट लेने से रिश्ता मजबूत होगा। साथी की बातों पर ध्यान दें। आप शेयर बाजार में निवेश कर सकते हैं, लेकिन निवेश करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार कर लें।

किसी को पैसा उधार न दें क्योंकि उसे वापस पाना मुश्किल हो सकता है। कुछ महत्वपूर्ण कार्य आपको संदेह में डाल सकते हैं लेकिन आपका अनुशासन चीजों को आसान बना देगा।



मानव जीवन की उत्कृष्टता गौरव अवार्ड से सम्मानित होंगे दौसा के कवि कृष्ण कुमार सैनी

दौसा (संस्कार सृजन)। महिला एवं बाल विकास को समर्पित संस्थान वूमैन पावर सोसायटी, जयपुर द्वारा 24 दिसम्बर को जयपुर के एक निजी होटल में मानव जीवन की उत्कृष्टता गौरव अवार्ड सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। वूमैन पावर समिति के संस्थापक संतोष कुमार मीरवाल ने बताया कि दौसा की मारुती कॉलोनी निवासी युवा कवि कृष्ण कुमार सैनी सहित समाज की लगभग 51 महान विभूतियों का सम्मान किया जा रहा है। सैनी को यह सम्मान साहित्य व समाजसेवा के चलते प्रदान किया जा रहा है। विशेषकर जो बच्चों व महिलाओं की शिक्षा, संरक्षण, अधिकार के क्षेत्र में आवाज बनकर उनकी मदद करने का कार्य कर रहे हैं, उन्हें सम्मानित किया जायेगा।

दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदल देगा मां दुर्गा का यह मंत्र, जानिए कैसे करें जाप

जिन लोगों की आर्थिक स्थिति खराब रहती है और धन की कमी बनी रहती है। ऐसे में इन लोगों को मां दुर्गा का पूजन जरूर करना चाहिए। हालांकि मां दुर्गा की पूजा-अर्चना में कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। मां दुर्गा को पंच देवों में से एक माना जाता है। बताया जाता है कि जो भी जातक आस्था पूर्वक मां दुर्गा की पूजा करते हैं। उनका दुर्भाग्य दूर होता है और भाग्य जाग उठता है। वहीं जो व्यक्ति विधि-विधान और मंत्रों सहित मां दुर्गा की पूजा करता है। उन्हें हर तरह का सुख प्राप्त होता है और व्यक्ति की सुसुबती दूर होती है। बता दें कि कुछ लोगों की कुटुंबी में कुछ ऐसे ग्रह दोष होते हैं, जिसके कारण उनको कड़ी मेहनत के बाद भी मनुष्यात्मिक सफलता नहीं मिल पाती है। इन लोगों को आर्थिक स्थिति खराब रहती है और धन की कमी बनी रहती है। ऐसे में इन लोगों को मां दुर्गा का पूजन जरूर करना चाहिए। हालांकि मां दुर्गा की पूजा-अर्चना में कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। दुर्गा पूजा करने वाले जातकों को अर्धम से बचने के साथ ही किसी तरह के गलत कार्य नहीं करने चाहिए। उन्हें पूरे विचारों से दूर रहना चाहिए। स्त्री का सम्मान करने वाले जातकों की पूजा मां दुर्गा फौरन स्वीकार करती है जो जातक मां दुर्गा की विधि-विधान और श्रद्धापूर्वक पूजा करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं ऊपर बताई गई बातों का ध्यान रखने से मां दुर्गा की पूजा करनी चाहिए। इन जातकों को शुक्रवार को कन्या पूजन और धन का दान करना चाहिए। वहीं सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि कर पूजाघर में घो का दीपक जलाएं।

इस मंत्र का करें जाप—मां दुर्गा की कृपा पाने के लिए उनकी पूजा के साथ ही ऊँ ह्रीं दुं दुर्गायै नमः मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए। कुश या फिर चटाई के आसपास पर बैठकर इस मंत्र का जाप करना शुभ होता है। इस मंत्र के जाप के लिए आप तुलसी या चंदन की माला का उपयोग करना चाहिए। ऐसे में आप सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि कर पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठें। फिर इस मंत्र का जाप करना चाहिए। वहीं आप चाहें तो शाम को भी इस मंत्र का जाप कर सकते हैं। शाम के समय पश्चिम दिशा में मुख करके इस मंत्र का जाप करना चाहिए। इस मंत्र का कम से कम 40 दिन तक जाप करना चाहिए। इस तरह से पूजा करने पर आपको सोचा हुआ भाग्य जा जाएगा।

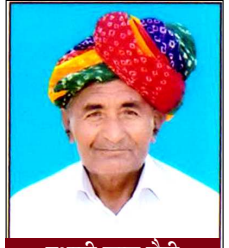
मिलेगा भाग्य का साथ—बता दें कि मां दुर्गा की पूरे मनोयोग से प्रार्थना करनी चाहिए। आप चाहें तो शुक्रवार के दिन से एक प्रयोग भी शुरू कर सकते हैं। इसके लिए शुक्रवार की सुबह स्नान आदि कर ताजी रोटी लेकर मां दुर्गा के मंदिर जाएं। फिर मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने खड़े होकर वह रोटी अपने सिर से 21 बार वार लें। इस दौरान आपको ऊँ दुर्भाग्यनाशिनि दुं दुर्गायै नमः मंत्र का जाप कम से कम 108 बार करना है। इसके बाद मां के सामने रोटी रखकर दीपक जलाएं और विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा करें। फिर वह रोटी किसी कुत्ते को खिला दें।

किसान की शिकायत

एक बार एक किसान हर कभी आने वाले आंधी-तूफान, ओलावृष्टि, तेज धूप इत्यादि से परेशान हो गया। क्योंकि कभी-कभी फसल ज्यादा खराब हो जाती थी। इसलिए वह परेशान होकर ईश्वर से शिकायत करने लगा।

किसान बोला, आप ईश्वर तो हैं लेकिन फसल को कब क्या चाहिए, इसकी जानकारी नहीं है। जिसकी जरूरत भी नहीं होती है, वह भी देते रहते हैं। इसलिए आपसे मैं विनती करता हूँ कि आप मुझे एक मौका दीजिए। मेरे कहे अनुसार मौसम कीजिए। फिर हम सब किसान अन्न के भंडार भर देंगे।

ईश्वर मुस्कुराए और बोले, ठीक है आज से तुम्हारे अनुसार मौसम रहेगा। किसान खुश हो गया। किसान ने अगली फसल में गेहूँ की बुवाई की। उसने जब चाहा तब धूप मिली, उसने जब चाहा पानी मिला, पानी की तो उसने बिल्कुल कमी नहीं आने दी। आंधी, बाढ़ और तेज धूप तो उसने आने ही नहीं दी। समय बीतने पर फसल बड़ी हुई। किसान भी बहुत खुश हुआ कि इस बार शानदार फसल दिख रही है। किसान ने मन ही मन सोचा कि ईश्वर को अब पता चलेगा कि अच्छे फसल के लिए क्या-क्या जरूरी है। फालतू में ही किसान को परेशान करते रहते हैं। किसान फसल काटने के लिए खेत पहुंचा। गेहूँ के पौधों की बालियों को हथ लगाया तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। उसने देखा कि किसी भी पौधे की बालियों में एक भी दाना नहीं था। किसान दुखी हो गया और बोला, हे ईश्वर ! ऐसा क्यों हुआ? क्योंकि मैंने तो सब कुछ सही किया और सही समय पर किया।



प्रभाती लाल सैनी

इस पर ईश्वर बोले, हे प्रिय किसान ! ऐसा तो होना ही था। क्योंकि तुमने इन पौधों को बिल्कुल भी संघर्ष नहीं करने दिया। इन्हें ना तो तेज धूप में तपने दिया, ना ही आंधी का सामना करने दिया। इन्हें किसी भी प्रकार की चुनौतियों का सामना नहीं करने दिया। इसलिए बाहर से भले ही अच्छे दिख रहे हो लेकिन ये अंदर से बिल्कुल खोखले हैं, इनके अंदर कुछ भी दाने नहीं। पौधे जब विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हैं तो उनमें ऊर्जा पैदा होती है। यह ऊर्जा उनके अंदर सही समय पर पैदा करती, जिनके लिए वह बने हैं। ठीक इसी प्रकार जब तक ईंसान संघर्ष से नहीं गुजरता है, वह आदमी खोखला रह जाता है। जीवन की चुनौतियां ही उसके लिए उन्नति के नए रास्ते खोल देती हैं और आदमी को मजबूत और प्रतिभाशाली बनाती है। इसलिए आपके भी जीवन में सुसुबतें या चुनौतियां आए तो धरवाना मत। यह आपको बिखरने के लिए नहीं, निखारने के लिए आई है।

30 दिसंबर को होगा प्रदेश स्तरीय चतुर्थ पत्रकारिता महोत्सव 2023

किशनगढ़ (संस्कार सृजन)। जयपुर जिले के किशनगढ़ रेनवाल स्थित शक्तिपीठ श्री कुल्हू वाली माता जी मंदिर में 30 दिसंबर को प्रातः 11 बजे से प्रदेश स्तरीय चतुर्थ पत्रकारिता महोत्सव 2023 का आयोजन किया जाएगा। आयोजक डॉ. लक्ष्मी नारायण सामरिया और सहसंयोजक भगवान सहाय यादव ने बताया कि प्रदेश में उत्कृष्ट कार्य करने वाले करीब 100 पत्रकारों को दी आईकॉन ऑफ जर्नलिज्म अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

प्रदेश स्तरीय चतुर्थ पत्रकारिता महोत्सव 2023
दिनांक :- 30 दिसम्बर 2023 शनिवार प्रातः 11.00 बजे
प्रिन्ट मिडिया V/S सोशल मीडिया
स्थान: शक्ति पीठ श्री कुल्हू वाली माता जी मन्दिर
किशनगढ़ - रेनवाल (जयपुर)
The Icon of Journalism Award
में आपका हार्दिक अभिनन्दन है।

विधायक डॉ. शिखा मील बराला का जिलाध्यक्ष कालूराम झाड़ाडिया के नेतृत्व में किया अभिनन्दन

चौमू (संस्कार सृजन)। शहर के कचौलिया रोड स्थित विधायक कार्यालय पर विधायक डॉ. शिखा मील बराला का राष्ट्रीय जाट महासभा के जिलाध्यक्ष कालूराम झाड़ाडिया के नेतृत्व में युवाओं ने अभिनन्दन किया। इस मौके पर विकास कार्यों पर चर्चा की। साथ ही क्षेत्र के बांसा टोल पर स्थानीय लोगों को टोल में छूट दिलाने और रामकालेडा कॉलेज में एग्रीकल्चर शुरू करवाने की मांग की। इस दौरान विवाद सैनी ने कालूराम सहित कई लोग मौजूद रहे।



बुनकर उत्पादों की बिक्री बढ़ने से स्टाल धारकों एवं आयोजकों का उत्साह भी बढ़ा

लखनऊ (संस्कार सृजन)। शहीद पथ स्थित अवध शिल्पग्राम में आयोजित हैण्डलूम एक्सपो-2023 (गाँधी बुनकर मेला) में आयोजन के छठे दिन अपार भीड़ उमड़ रही है और बुनकरों के उत्पादों की अच्छी बिक्री हो रही है। एक्सपो में मुख्यतः सदी की शृंगार खते हुए जन्म एवं कश्मीर की शॉल, सूट एवं पारम्परिक फिरोज तथा हिमाचल प्रदेश की कुल्लू टोपियाँ एवं मफलर को काफी माँग हो रही है।

न्यूज ऑफ इंडिया (एजेन्सी) के अनुसार सदी के उत्पादों की अतिरिक्त वाराणसी के आकर्षक बैग्स एवं सिल्क की साड़ी, पश्चिम बंगाल की बेहतरीन बंगाल तात साड़ियाँ, मुरादाबाद, मेरठ एवं बागपत की सुंदर होम फर्निशिंग व बेडशीट तथा पीलीभीत, बरेली के सुंदर पावदान तथा कानपुर के अनूठे हैंडीक्राफ्ट भी आंगुतकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहे हैं। उपायुक्त (प्रवर्तन)/नेशनल हैण्डलूम एक्सपो के इंचार्ज पी सी ठाकुर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विकास आयुक्त हथकरघा, भाथत सरकार, वस्त्र मंत्रालय नई दिल्ली एवं आयुक्त एवं निदेशक हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग निदेशालय उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित नेशनल हैण्डलूम



एक्सपो में हथकरघा बुनकरों के उत्पादों की बिक्री में बढ़ोतरी होने से जहाँ एक तरफ उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, वहीं बुनकरों का मनोबल भी बढ़ेगा। बिक्री बढ़ने से स्टाल धारकों एवं आयोजकों का उत्साह भी बढ़ा है। लखनऊ में एक्सपो की सफलता को देखते हुए प्रदेश में इस प्रकार के अन्य मेले/एक्सपो का भविष्य में और भी आयोजन किया जाएगा जिससे बुनकर उत्पादों से जुड़े हुए लोगों के आय को बढ़ाया

जा सके। एक्सपो परिसर में बने फूड प्लाजा में भी आगन्तुक विभिन्न मीठे तथा नमकीन व्यंजनों जैसे- चाट, पकौड़ी कॉफी एवं अन्य साउथ इण्डियन व्यंजनों को पसंद कर रहे हैं। एक्सपो में बच्चों के खेलने के लिए मैदान एवं गेम जॉन भी है। कुल मिलाकर घूमने एवं उच्च कोटि के वस्त्रों की खरीददारी के लिए एक्सपो स्थल आदर्श साबित हो रहा है। रात्रि तक एक्सपो स्थल में ग्राहकों का जमावड़ा लगा रहता है।



रंगोत्सव पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ आयोजित

गुजरात (संस्कार सृजन)। रंगोत्सव प्रतियोगिता अंतर्गत गोगढी प्राइमरी स्कूल तालुक, डिसा जिला साबरकांत द्वारा द्वांय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 59 बच्चों ने भाग लिया। इसमें नौ बच्चों को स्वर्ण पदक, दो बच्चों को कांस्य पदक और एक बच्चे को पुरस्कार मिला। प्रत्येक प्रतिभागी बच्चे को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय के दो शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिनमें हसमुबहाई परमार और शैलेशभाई प्रजापति शामिल हैं। आयोजक शैलेशभाई प्रजापति द्वारा सभी बाल मित्रों को धन्यवाद प्रकट किया गया। आर. सी मिशन स्कूल के प्राचार्य डॉ. शैलेश वानिया शैल ने शुभकामनाएं दीं।

एमवीएस फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमू शहर के जयपुर रोड पर रहने वाले बेघर, निर्धन एवं जरूरतमंदों को एमवीएस फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा कंबल, स्वेटर एवं गर्म कपड़े वितरण किए गए। ट्रस्ट कार्यकर्ताओं ने बताया कि सड़क किनारे एवं फुटपाथ पर जीवन गुजार रहे निर्धन, जरूरतमंद एवं बेघर लोगों को सदी से बचाव के लिए कंबल, स्वेटर एवं गर्म कपड़ों की आवश्यकता होती है। एमवीएस टीम पिछले कई वर्षों से ऐसे ही लोगों की सेवा में जुटी हुई है। हर वर्ष सैकड़ों निर्धन, जरूरतमंदों को मदद कर रहे हैं। एमवीएस फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा 5 वर्ष



पहले छोटे रूप में कंबल वितरण मुहिम को शुरू किया था जो अब धीरे-धीरे

हजारों निर्धन जरूरतमंद को सदी से बचा रही है।



महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति की मीटिंग हुई आयोजित

लक्ष्मणगढ़ (संस्कार सृजन)। महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति की मीटिंग निर्माण समिति के अध्यक्ष रामावतार सिंगोदिया की अध्यक्षता में तोदी कॉलेज रोड स्थित सिंगोदिया लाइब्रेरी पर आयोजित हुई। यह जानकारी देते हुए एमवीएस फाउंडेशन ट्रस्ट के संयोजक सज्जन कुमार बखेवाल ने बताया कि मीटिंग में अब तक की गतिविधियों पर चर्चा परिसर कर आगामी रूप रेखा तैयार की गई तथा आर्थिक स्थिति की समीक्षा करते हुए अर्थ सहयोग के बारे में विचार विमर्श किया। इस अवसर पर रामावतार सिंगोदिया, विनोद कुमार गौड़, दीपचंद कटारिया, महेंद्र चुनवाल, झाबरमल सिंगोदिया, एडवोकेट सत्यनारायण चुनवाल, बाबूलाल सैनी, सज्जन कुमार सैनी सहित पदाधिकारी सदस्य मौजूद रहे।

युवा चित्रकार नैना सोमानी कला संस्कृति सम्मान 2023 से हुई सम्मानित

उदयपुर (संस्कार सृजन)। श्री गीतागोपाल नाट्यकला संस्थान चौमू जिला जयपुर के तत्वाधान में उदयपुर की युवा चित्रकार नैना सोमानी को समकालीन चित्रकला के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए कला संस्कृति सम्मान 2023 से सम्मानित किया। यह सम्मान संस्थान के अध्यक्ष रंगमंच कलाकार सुनील सोगण ने प्रदान किया। सुनील सोगण अब तक राजस्थान के तकरीबन 50 से अधिक कलाकारों को कला संस्कृति सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। नैना सोमानी उदयपुर की प्रतिभाशाली कलाकार हैं इनको एम.ए. चित्रकला में राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने सम्मानित किया जा चुका है। जवाहर कला केंद्र जयपुर के कला



महोत्सव 2023 में भाग लिया और सम्मानित होने का अवसर प्राप्त किया। कला संस्कृति सम्मान के इस अवसर पर

संजय सोमानी, सुनील सोमानी, दिव्याश सोमानी, भावना सोमानी, संध्या सोमानी आदि उपस्थित रहे।

व्यू ऑफ हैलाकांडी के एंबेसडर बने डॉक्टर मनीष रॉय

असम (संस्कार सृजन)। असम के संतोष कुमार रॉय कॉलेज के भूतपूर्व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीष रॉय को व्यू ऑफ हैलाकांडी के एंबेसडर बनाया गया है। चलो कुछ न्यार करतें हैं फाउंडेशन के संचालक मंडल अध्यक्ष तथा व्यू ऑफ हैलाकांडी के एडिटर राघव चंद्र नाथ ने कहा कि व्यू ऑफ हैलाकांडी एक ऐसी बुक है जिसमें हैलाकांडी जिले के फेमस प्लेस, हिस्टोरिकल प्लेस, टूरिस्ट प्लेस, फेमस फूड, इत्यादि के बारे में लिखा जाएगा। इस बुक में स्टूडेंट को लिखने के लिए मौका दिया जाएगा तथा कॉलेज, यूनिवर्सिटी के लेक्चर, प्रोफेसर सभी लिखेंगे। हैलाकांडी के फेमस प्लेस, हिस्टोरिकल प्लेस, टूरिस्ट प्लेस, फेमस फूड के बारे में। एंबेसडर बनने पर डॉ. मनीष रॉय को सीकेएनकेएच फाउंडेशन ऑथर कमेटी की चेयरपर्सन डॉ. सविता मिश्रा, सीकेएनकेएच हिंदी साहित्य समिति की अध्यक्ष डॉ. नमता जैन, सीकेएनकेएच बांला साहित्य समिति की अध्यक्ष डॉ. नीता मित्रा, सीकेएनकेएच फाउंडेशन शिक्षा विभाग के डायरेक्टर प्रीतेश तिवारी ने शुभकामनाएं दी हैं।

जाग्रति हॉस्पिटल का रक्त दान शिविर 2 जनवरी को

चौमू (संस्कार सृजन)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राम सेवा संस्था और जाग्रति हॉस्पिटल के तत्वाधान में 17वें स्वेच्छक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। संयोजक डॉक्टर हरि बल्लभ सैनी ने बताया कि मोरीजा ग्राम के मोरीजा रोड, चार दुकान स्थित जाग्रति हॉस्पिटल में 17 वां विशाल स्वेच्छक रक्तदान शिविर 2 जनवरी को प्रातः 9:15 बजे से 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आयोजक राजेंद्र (बाबूलाल पुजारी) अध्यक्ष ग्राम सेवा संस्था, विमल शर्मा, किशोर प्रजापति, गोपाल धौली, श्रवण मौजीका, डॉक्टर सुरेश कुमार शर्मा, विश्वेश गुर्जर, ओमप्रकाश सैनी ने शिविर को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियाँ सौंपी।